University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

University in News on 03 July 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

लविवि : केंद्रीकृत प्रवेश काउंसलिंग के लिए कॉलेजों को देना होगा शुल्क

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन पहली बार सत्र 2020-21 में कॉलेजों के लिए केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कॉलेजों को भारी-भरकम शुल्क भी देना होगा। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद सिंह ने सहयुक्त कॉलेजों को पत्र भेजकर कहा है कि विश्वविद्यालय सत्र 2020-21 से केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया के तहत विवि के साथ सहयुक्त महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम में प्रवेश करेगा।

इसमें कॉलेज प्रवेश सहभागिता शुल्क जमा करके विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का प्रवेश केंद्रीकृत प्रवेश प्रक्रिया से ले सकते हैं। इसके लिए प्रोफेशनल कोर्स में प्रति महाविद्यालय प्रति विषय 01 लाख और 18% सर्विस टैक्स, सामान्य पाठ्यक्रम में प्रति कोर्स 50 हजार और 18% सर्विस टैक्स देना होगा। उन्होंने कहा है कि कॉलेज निर्धारित प्रोफार्मा पर आवेदन कर 05 जुलाई तक अवगत कराएंगे, जिसके बाद आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

इसलिए शुरू की योजना

लखनऊ विवि में प्रवेश के लिए काफी संख्या में विद्यार्थी आवेदन करते हैं, जो सीटों के सापेक्ष लगभग दोगुने होते हैं। ऐसे में विवि ने कॉलेजों के लिए भी केंद्रीकृत प्रवेश की व्यवस्था शुरू करने का निर्णय लिया ताकि विवि के साथ-साथ विद्यार्थी चाहे तो कॉलेज को भी वरीयता दे सकते हैं।

यूजी-पीजी के सामान्य व प्रोफेशनल पाठ्यक्रम

■ यूजी सामान्य पाठ्यक्रम : बीए, बीए ओनर्स, बीकॉम, बीएससी बायो ग्रुप, बीएससी मैथ ग्रुप

■ यूजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रम : बीकॉम ओनर्स, बीवोक रिनिवेबल एनर्जी, बीसीए, बीवीए/बीएफए, बीजेएमसी, एलएलबी फाइव ईयर, बीबीए, बीएलएड

पीजी सामान्य पाठ्यक्रम

एमए एंथ्रोपोलॉजी, एमए एआईएच एंड आर्कियोलॉजी, एमए अरब कल्चर, एमए अरेबिक, एमए बायो स्टेटिस्टिक्स, एमए डिफेंस स्टडीज, एमए इकोनॉमिक्स, एमए एजुकेशन, एमए इंग्लिश, एमए फ्रेंच, एमए जियोग्राफी, एमए हिंदी, एमए होम साइंस, एमए ज्योतिर्विज्ञान, एमए लिंगिस्टिक, एमए मैथमेटिक्स, एमए मॉडर्न अरेबिक, एमए पर्सियन, एमए फिलॉसफी, एमए पोलिटिकल साइंस, एमए साइकोलॉजी, एमए संस्कृत, एमए सोशियोलॉजी, एमए स्टेटिस्टिक्स, एमए उर्दू, एमए वूमेन स्टडीज, एमए एमआईएच/कंपोसिट हिस्ट्री/वेस्टर्न हिस्ट्री, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर सोशल वर्क, एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमकॉम कोमर्स, एमएससी बायो केमिस्ट्री, एमएससी बॉटनी/प्लांट, साइंस/माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, एमएससी जियोलॉजी, एमएससी फिजिक्स, एमएससी जियोलॉजी, एमएससी जूलॉजी, एमएससी मैथमेटिक्स, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी, एमएससी स्टेटिस्टिक्स

पीजी प्रोफेशनल पाठ्यक्रम

बीलिब, एमलिब, एलएलबी, एलएलएम, एमएड, एमपीएड, एमएससी कम्प्यूटर साइंस, एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, एमएससी रिनिवेबल एनर्जी, एमएससी एप्लाइड जियोलॉजी, एमएससी बायो स्टेटिस्टिक्स, एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी फोरेंसिक साइंस, एमएससी बायो टेक्नोलॉजी, एमएससी मास कम्युनिकेशन इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एमबीए, मास्टर इन पॉपुलेशन स्टडीज, मास्टर इन बिजिनेस इकोनॉमिक्स, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, मास्टर इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर पब्लिक हेल्थ कम्युनिटी मेडिसिन, एमए क्रिमिनोलॉजी एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन, एमए फोरेंसिक साइंस, एमए ह्यूमन कॉन्सिसन्स एंड यौगिक साइंस, एमए जर्नलिज्म एंड मास कॉम, एमएससी फोरेंसिक साइंस व बीपीएड

HINDUSTAN Page 6

बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू कीं

7 जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की सूची मांगी

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

शासन ने 29 जुलाई को संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को हरी झंडी दे दी है। 28 अगस्त को परीक्षा परिणाम घोषित होंगे और 14 सितंबर से काउंसलिंग शुरू होगी।

शासनादेश में कहा गया है कि परीक्षा केंद्र नगरीय क्षेत्रों में और यथासंभव जिला मुख्यालय के निकट ही बनाए जाएं। शासन ने यह भी कहा है कि परीक्षा केंद्रों में सुरक्षित चहारदीवारी और सीसीटीवी कैमरे होने चाहिए। सीसीटीवी कैमरे में वायस रिकॉर्डर व डीवीआर के साथ राउटर डिवाइस होना अनिवार्य है। शासन ने कोविड-19 को देखते हुए परीक्षा केंद्रों का सैनिटाइजेशन कराने को भी कहा है।

परीक्षा संचालन के लिए कमेटी : प्रत्येक जिले में परीक्षा संचालन व पर्यवेक्षण के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। कमेटी में डीएम द्वारा नामित अधिकारी के अलावा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी/जिला विद्यालय निरीक्षक व लविवि द्वारा नामित एक अधिकारी होगा।

निजी विद्यालय नहीं बनेंगे परीक्षा केंद्र

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग ने राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षा-2020 के सम्बंध में शासनादेश जारी करते हुए लविवि से 7 जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की सूची उपलब्ध कराने को कहा है। शासनादेश में नकल पर सख्ती से रोक की बात कही गई है। इसके लिए जिला प्रशासन सहयोग करेंगे। परीक्षा केंद्र भी केवल शासकीय महाविद्यालयों और विद्यालयों को ही बनाया जाएगा। किसी भी दशा में निजी विद्यालय परीक्षा केंद्र नहीं बनेंगे।

बीएड प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम

28 अगस्त को परिणाम जारी किया जाएगा और 14 सितंबर से काउंसलिंग

26 अक्तूबर को सीधे प्रवेश और 19 अक्तूबर से नया सत्र शुरू होगा

50 जिलों में होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

उधर लविवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के मुताबिक बीएड प्रवेश परीक्षा अब प्रदेश के 50 जिलों में होगी। पहले 73 जिलों में होनी थी। 5 जुलाई को केन्द्रों की अन्तिम सूची जारी होगी। लविवि ने अभ्यर्थियों को अपने नजदीकी जनपद के तीन केंद्र चुनने का विकल्प दिया गया था। 1 लाख 10 हजार अभ्यर्थियों ने विकल्प चुने। सभी केंद्रों की समीक्षा करने के बाद जिलों की संख्या कम की गई है। ऐसे जनपद जहां तीन से ज्यादा केंद्र नहीं बन पा रहे थे, उन्हें सूची से हटा दिया गया है। जानकारी के अनुसार 15 जुलाई तक प्रवेश पत्र भी जारी हो जाएंगे।

महाविद्यालयों से ई-मेल पर मांगा प्रस्ताव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सहयुक्त महाविद्यालयों से केन्द्रीकृत प्रवेश के लिए ई-मेल पर प्रस्ताव मांगे हैं। विवि ने ईमेल आईडी lkouniv.central.admissiom@gmail.com गुरुवार को जारी कर दी है।

महाविद्यालयों को पांच जुलाई तक स्नातक, परास्नातक पाठ्यक्रमों की सूची, सीट संख्या समेत अन्य जानकारियां 5 जुलाई तक देनी होंगी।

बता दें कि दिल्ली विश्वविद्यालय की तर्ज पर इस सत्र से लविवि भी केन्द्रीकृत दाखिले करने जा रहा है। यहां लविवि का आवेदन फार्म भरने वाले छात्रों को सहयुक्त महाविद्यालयों में भी दाखिले का मौका मिलेगा।

देना होगा शुल्क

इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए महाविद्यालयों से प्रस्ताव लिए जा रहे हैं। महाविद्यालयों को व्यवसायिक पाठ्यक्रम की काउंसलिंग में शामिल होने के लिए 1 लाख रु. शुल्क 18 प्रतिशत जीएसटी के साथ देना होगा। वहीं नियमित पाठ्यक्रम के लिए प्रति पाठ्यक्रम 50 हजार रुपए व 18 प्रतिशत जीएसटी देना होगा।

PIONEER Page 3

शासन ने 29 जुलाई को बीएड प्रवेश परीक्षा कराने की दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आगामी 29 जुलाई को संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराने के लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रस्ताव पर शासन ने सहमति दे दी है। बीएड प्रवेश परीक्षा संपन्न होने के बाद 28 अगस्त तक इसके परिणाम जारी होंगे। जबकि 14 सितंबर से काउंसिलिंग की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रवेश परीक्षा में इस बार 4.31 लाख छात्र शामिल होंगे। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस गर्ग की तरफ से जारी आदेश में लखनऊ विश्वविद्यालय से 7 जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है। शासन ने कहा है कि किसी भी परीक्षा केंद्र पर किसी भी दशा में नकल न होने पाए। इसके लिए जिला प्रशासन से सहयोग लिया जाए। यह भी कहा है कि परीक्षा केंद्र यथासंभव केवल शासकीय महाविद्यायों व विद्यालयों को ही बनाया जाए। पर्याप्त संख्या में राजकीय संस्थान उपलब्ध न होने की स्थिति में अपरिहार्य स्थितियों में ही सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों व विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जा सकता है। किसी भी दशा में निजी विद्यालयों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। परीक्षा केंद्र नगरीय क्षेत्रों में और यथासंभव जिला मुख्यालय के निकट ही बनाए जाएं। शासन ने यह भी कहा है कि परीक्षा केंद्रों में सुरक्षित चहारदीवारी हो और सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हों। प्रत्येक सीसीटीवी कैमरे में वायस रिकार्डर एवं डीवीआर के साथ राउटर डिवाइस लगा होना अनिवार्य है।

परीक्षा संचालन के लिए बनेगी कमेटी: शासन ने प्रत्येक जिले में परीक्षा के संचालन एवं पर्यवेक्षण के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने का निर्देश दिया है। कमेटी में डीएम द्वारा नामित अधिकारी के अलावा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारीध्जिला विद्यालय निरीक्षक

एवं लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी होंगे। परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षण के लिए एक वरिष्ठ मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की जाएगी।

NBT Page 4

50 जिलों में होगी बीएड की प्रवेश परीक्षा

पहले 73 जिलों में होनी थी, कम परीक्षा केंद्र वाले जिले सूची से हटाए गए

■ एनबीटी, लखनऊ : बीएड प्रवेश परीक्षा इस बार प्रदेश के 50 जिलों में होगी। पहले यह 73 जिलों में होनी थी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कम परीक्षा केंद्र वाले जिलों को लिस्ट से हटा दिया है। हालांकि, एलयू के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह का कहना है कि एलयू प्रशासन सम्भवतः पांच जुलाई तक अंतिम केंद्रों की सूची जारी कर सकता है। वहीं 10 से 15 जुलाई के बीच एडमिड कार्ड भी जारी हो सकते हैं।

सभी केंद्रों की समीक्षा करने के बाद जिलों को कम करने का निर्णय लिया गया है। सप्ताह भर पहले अभ्यर्थियों को अपने नजदीकी जिलों के 3 केंद्र चुनने का विकल्प दिया गया था। अधिकतर अभ्यर्थियों ने अपने नजदीकी विकल्प में जो जिले चुने थे, उनमें दो या तीन से ज्यादा केंद्र नहीं बन पा रहे थे। इसकी वजह से उन्हें लिस्ट से हटा दिया गया है।

एक ऐडमिशन फॉर्म के लिए कॉलेजों को 5 जुलाई तक देना होगा ब्योरा

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कॉलेजों को भी दाखिलों की केन्द्रीयकृत व्यवस्था से जुड़ने के लिए यूजी, पीजी कोर्सों और सीटों की संख्या समेत कई जानकारी देनी होगी। इसके लिए एलयू ने अपनी वेबसाइट पर प्रोफार्मा भी तैयार कर लिया है, जिसे कॉलेजों को आरटीजीएस शुल्क के साथ भरकर पांच जुलाई तक ईमेल करना होगा।

दरअसल, डीयू की तर्ज पर एलयू और सम्बद्ध कॉलेजों में अब प्रवेश के लिए छात्रों को सिर्फ एक ऐडमिशन फॉर्म भरना होगा। बुधवार को एलयू प्रशासन की मीटिंग में हुए निर्णय में सभी संबंद्ध महाविद्यालय को जुड़ने के लिए तीन दिन का समय भी दिया गया है।

ये जानकारी देनी होगी

यूजी जनरल, यूजी प्रेफेशनल, पीजी जनरल और पीजी प्रेफेशनल कोर्सों की सूची, कॉलेज नाम, यूडीआरसी कोड, पता, पिन कोड, प्राचार्य का नाम और मोबाइल नंबर ईमेल आइडी, कोर्स का नाम, विषय, श्रेणी, सीट की संख्या, प्रवेश सहभागिता शुल्क और कुल जमा शुल्क का ब्योरा देना होगा।

i-NEXT Page 4

बीएड एंट्रेंस एग्जाम अब 73 नहीं सिर्फ 50 जिलों में होंगे

पहले प्रदेश के 73 जिलों में होनी थी यह परीक्षा

कम आवेदन वाले जनपद से हटाए गए परीक्षा केंद्र

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(2 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी की देखरेख में होने वाली बीएड की प्रवेश परीक्षा में केंद्रों की संख्या को कम कर दिया गया है. अभी तक प्रदेश के 73 जिलों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन हो रहा था जिसे कम कर 50 कर दिया गया है. कुलसचिव विनोद कुमार सिंह के मुताबिक एलयू प्रशासन सम्भवता पांच जुलाई तक अंतिम केंद्रों की सूची जारी कर सकता है.

CONCEPT PIC

10 से 15 जुलाई तक जारी हो सकते हैं एडमिट कार्ड

कुलसचिव के अनुसार एलयू प्रशासन पांच जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर सकता है. साथ ही अगर सब कुछ ठीक रहा तो 10 से 15 जुलाई के बीच एडमिड कार्ड भी जारी हो सकते हैं.

कम कर दिए गए सेंटर

लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से बीएड की परीक्षा के लिए युद्ध स्तर से तैयारियां हो रही है. इसके लिए केंद्रो की संख्या को लेकर भी मंथन किया जा रहा है. कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सप्ताह भर पहले अभ्यर्थियों को अपने नजदीकी जनपद के तीन केंद्र चुनने का विकल्प दिया गया था. जिसमें एक लाख 10 हजार अभ्यर्थियों ने विकल्प चुने. इन सभी केंद्रों की समीक्षा करने के बाद जिलों को कम करने का निर्णय लिया गया. प्रो. विनोद कुमार ने बताया कि अधिकतर अभ्यर्थियों ने अपने नजदीकी विकल्प में जो जनपद चुने थे उसमें दो या तीन से ज्यादा केंद्र नहीं बन पा रहे थे. जिसकी वजह से ऐसे जनपद जहां तीन से ज्यादा परीक्षा केंद्र नहीं बन रहे थे उन्हें लिस्ट से हटा दिया गया. इसके बजाय अभ्यर्थियों को उनके जिले के नजदीकी दूसरे जिलें में मौजूद परीक्षा केंद्र पर करवाई जाएगी. जिसकी वजह से अब केंद्रों की संख्या 73 से घटकर 50 हो गई है.

एक ही फॉर्म से सभी कॉलेजों में एडमिशन

कॉलेजों से 5 जुलाई तक मांगा गया ब्योरा

LUCKNOW(2 July): विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में केंद्रीयकृत व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के लिए कुलपति ने अनुमोदन दे दिया है. इस व्यवस्था के तहत एक फॉर्म के आवेदन के प्रस्ताव लिए महाविद्यालयों को पांच जुलाई तक का समय दिया गया है. इसमें महाविद्यालयों को यूजी, पीजी के कोर्स की लिस्ट, सीटों की संख्या आदि की जानकारी देनी होगी. इसके चलते एलयू या उससे संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्रों को अलग-अलग फॉर्म नहीं भरने होंगे. दिल्ली विश्वविद्यालय की तर्ज पर अब एलयू में भी दाखिलों की केंद्रीयकृत व्यवस्था शुरू कर दी गई है.

5 तक देनी होगी जानकारी

बुधवार को एलयू प्रशासन की मीटिंग में हुए निर्णय में सभी संबद्ध महाविद्यालय को जुड़ने को कहा है. इसके लिए महाविद्यालयों को प्रोफार्मा के हिसाब से पूरी जानकारी भरकर एलयू की वेबसाइट lkouniv.central.admissiom@gmail.com पर पांच जुलाई तक अपलोड करनी होगी.

DAINIK JAGRAN Page 4

14 सितंबर से होगी बीएड में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग

संयुक्त प्रवेश परीक्षा करा रहे लविवि के प्रस्ताव को शासन ने दी मंजूरी

जासं, लखनऊ : शासन ने 29 जुलाई को संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कराने के लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को मान लिया है। प्रवेश परीक्षा में कुल 4.31 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। 28 अगस्त को परीक्षा परिणाम जारी होंगे और 14 सितंबर से काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी।

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस. गर्ग ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कराई जाने वाली इस राज्यस्तरीय प्रवेश परीक्षा-2020 के संबंध में शासनादेश जारी कर दिया है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय को 7 जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

शासन ने परीक्षा केंद्रों पर नकल न हो, इसके लिए कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही परीक्षा केंद्र बनाने में शासकीय महाविद्यालयों और विद्यालयों को ही प्राथमिकता देने के लिए कहा है। किसी भी दशा में निजी कॉलेजों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा। जरूरी है कि परीक्षा केंद्रों में सुरक्षित चहारदीवारी हो और सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हों। प्रत्येक सीसीटीवी कैमरे में वायस रिकॉर्डर और डीवीआर के साथ राउटर डिवाइस लगा होना अनिवार्य है। शासन ने कोरोना महामारी को देखते हुए उससे बचाव की गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया है।

• 4.31 लाख विद्यार्थी होंगे शामिल

सभी जिलों में बनेगी परीक्षा संचालन कमेटी

शासन ने प्रत्येक जिले में परीक्षा संचालन कमेटी बनाने के आदेश दिए हैं। कमेटी में डीएम द्वारा नामित अधिकारी के अलावा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी/जिला विद्यालय निरीक्षक और लखनऊ विश्वविद्यालय के एक नामित अधिकारी होंगे। साथ ही परीक्षा केंद्रों के लिए मजिस्ट्रेट की भी तैनाती होगी।

50 जिलों में होगी बीएड की प्रवेश परीक्षा

बीएड-2020 की संयुक्त प्रवेश परीक्षा अब प्रदेश के 50 जिलों में ही होगी। कम आवेदन वाले जिलों को सूची हटाते हुए ये परिवर्तन किया गया है। 29 जुलाई को बीएड की प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित है। लविवि के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह के मुताबिक पांच जुलाई को केंद्रों की सूची जारी की जा सकती है। लविवि की ओर से बीएड की प्रवेश परीक्षा के केंद्रों की संख्या को लेकर मंथन किया जा रहा है। कुलसचिव विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सप्ताहभर पहले अभ्यर्थियों को अपने नजदीकी जनपद के तीन केंद्र चुनने का विकल्प दिया गया था। इसमें एक लाख 10 हजार अभ्यर्थियों ने विकल्प चुने। इन सभी केंद्रों की समीक्षा करने के बाद जिलों को कम करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि अधिकतर अभ्यर्थियों ने अपने नजदीकी विकल्प में जो जनपद चुने थे, उसमें दो या तीन से ज्यादा केंद्र नहीं बन पा रहे थे। इस वजह से ऐसे जनपद, जहां तीन से ज्यादा परीक्षा केंद्र नहीं बन रहे थे, उन्हें लिस्ट से हटा दिया गया।

लखनऊ विवि में प्रवेश के लिए लागू होगी केंद्रीयकृत व्यवस्था

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में केंद्रीयकृत व्यवस्था के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के लिए कुलपति ने अनुमोदन दे दिया है। इस व्यवस्था के तहत एक फॉर्म के आवेदन के प्रस्ताव लिए महाविद्यालयों को पांच जुलाई तक का समय दिया गया है।

इसमें महाविद्यालयों को यूजी, पीजी के कोर्स की लिस्ट, सीटों की संख्या आदि की जानकारी देनी होगी। इसके चलते एलयू या उससे संबद्ध कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्रों को अलग-अलग फॉर्म नहीं भरने होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय की तर्ज पर अब एलयू में भी दाखिलों की केंद्रीयकृत व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बुधवार को एलयू प्रशासन की मीटिंग में हुए निर्णय में सभी संबद्ध महाविद्यालय को जुड़ने को कहा है। इसके लिए महाविद्यालयों को प्रोफार्मा के हिसाब से पूरी जानकारी भरकर एलयू की वेबसाइट lkouniv.central.admissiom@gmail.com पर पांच जुलाई तक अपलोड करनी होगी। इसमें महाविद्यालयों को अपना यूडीआरसी कोड, महाविद्यालय का पूरा, प्राचार्य का नाम का ब्योरा, पाठ्यक्रमों का नाम, विषय, श्रेणी, सीट की संख्या, शुल्क और कुल जमा शुल्क का विवरण देना होगा।

AMRIT VICHAR Page 2

विश्वविद्यालय के साथ ही महाविद्यालय पूरी कर सकेंगे प्रवेश प्रक्रिया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश से सम्बन्धित उच्चस्तरीय समिति की अनुशंसा पर सत्र 2020-21 से केन्द्रीकृत प्रवेश व्यवस्था प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है। इस केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रणाली के तहत इच्छुक संबद्ध महाविद्यालय अपने महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रकिया के साथ ही सम्पादित करा सकते है। इसके लिए कुलसचिव की ओर से विश्वविद्यालय से सम्बन्द्ध महाविद्यालयों को 5 जुलाई, तक ईमेल में भेजे आवेदन प्रपत्र के द्वारा केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली का हिस्सा बनने के लिए सूचना प्रेषित करने के लिए कहा गया है।

RASHTRIYA SAHARA Page 5

लविवि में लागू होगी केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रणाली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने लविवि से सम्वद्ध महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश से सम्वन्धित उच्चस्तरीय समिति की अनुशंसा पर सत्र 2020-21 से केन्द्रीकृत प्रवेश व्यवस्था प्रारम्भ करने का निर्णय लिया है। इस केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रणाली के तहत इच्छुक संवद्ध महाविद्यालय अपने महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रकिया के साथ ही सम्पादित करा सकते है। रजिस्ट्रार द्वारा विश्वविद्यालय से सम्वद्ध महाविद्यालयों को पांच जुलाई 2020 तक ईमेल में भेजे आवेदन प्रपत्र के द्वारा केन्द्रीकृत प्रवेश प्रणाली का हिस्सा वनने के लिए सूचना प्रेषित करने के लिए कहा गया है।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 29 को

लखनऊ (एसएनबी)। संयुक्त वीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर इंतजार अव खत्म हो गया है। शासन ने 29 जुलाई को संयुक्त वीएड प्रवेश परीक्षा कराने के लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को मान लिया है। प्रवेश परीक्षा के परिणाम 28 अगस्त को परीक्षा परिणाम जारी होंगे और 14 सितंवर से काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा मोनिका एस. गर्ग ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कराई जाने वाली राज्यस्तरीय प्रवेश परीक्षा-2020 के संवंध में शासनादेश जारी कर दिया है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय को 7 जुलाई तक परीक्षा केंद्रों की सूची उपलव्ध कराने के लिए कहा गया है। वीएड की प्रवेश परीक्षा के लिए पहली वार निजी कालेजों को परीक्षा केन्द्र नहीं वनाने का निर्णय लिया है। शासन ने परीक्षा केंद्रों पर नकल न हो, इसके लिए कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए है। साथ ही परीक्षा केंद्र वनाने में शासकीय महाविद्यालयों और विद्यालयों को ही प्राथमिकता देने के लिए कहा है। किसी भी दशा में निजी कॉलेजों को परीक्षा केंद्र नहीं वनाया जाएगा। जरूरी है कि परीक्षा केंद्रों में सुरक्षित चहारदीवारी हो और सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे हों। प्रत्येक सीसीटीवी कैमरे में वायस रिकॉर्डर और डीवीआर के साथ राउटर डिवाइस लगा होना अनिवार्य है।

सभी जिलों में बनेगी परीक्षा संचालन कमेटी : शासन ने प्रत्येक जिले में परीक्षा संचालन कमेटी वनाने के आदेश दिए है। कमेटी में डीएम द्वारा नामित अधिकारी के अलावा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और लखनऊ विश्वविद्यालय के एक नामित अधिकारी होंगे। साथ ही परीक्षा केंद्रों के लिए मजिस्ट्रेट की भी तैनाती होगी।

सात जुलाई तक परीक्षा केन्द्रों की सूची

4.31 लाख विद्यार्थियों ने किया है आवेदन, रिजल्ट 28 को

AMRIT VICHAR Page 2

हरी झंडी | 29 को होगी परीक्षा, सभी केन्द्रों की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय से 7 तक शासन में तलब

बीएड प्रवेश परीक्षा कराने को शासन की मंजूरी

अमृत विचार लखनऊ

तमाम ऊहापोह की स्थिति के बाद आखिरकार शासन ने यूपी बीएड ज्वांइट एंट्रेंस एग्जाम कराने के लिए मंजूरी दे दी है। इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली जिम्मेदारियों की व्यवस्था और तैयारियों का ब्योरा शासन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से 7 जुलाई तक तलब किया है।

अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से सरकार को बताना होगा कि परीक्षार्थियों की संख्या के आधार पर परीक्षा केन्द्रों की संख्या कितनी निर्धारित की है, साथ ही यह भी बताना होगा कि परीक्षा के दौरान कोविड-19 से बचने के लिए केन्द्रों पर क्या-क्या उपाय किए गये हैं।

केन्द्रों के नाम पते के साथ व्यवस्थापक की सूची भी मोबाइल नंबर के साथ शासन को देनी होगी।

29 जुलाई पर लगी मोहर

इससे पहले अनुमति मिलने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएड कोआर्डिनेटर प्रो. अमिता वाजपेयी और विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय के साथ हुई बैठक में 29 जुलाई को परीक्षा कराये जाने की तिथि तय की गयी थी। इस संबंध में शासन को जानकारी भेजी गयी थी। इसके बाद सरकार ने अपनी सहमति 29 जुलाई पर ही दी है।

इससे पहले दो बार स्थगित हो चुकी है परीक्षा

बता दें कि इससे पहले भी दो बार भी बीएड एंट्रेस टेस्ट के लिए समय निर्धारित हुआ लेकिन लेकिन कोरोना काल में बढ़ती महामारी को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तिथि आगे बढ़ दी थी। इसके बाद सात जुलाई से लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा का शेड्यूल जारी किया, इसी शेड्यूल में बीएड एंट्रेस टेस्ट का शेड्यूल था लेकिन छात्रों के विरोध के चलते शासन ने संज्ञान लिया, और अपनी सहमति प्रदान की। यह परीक्षा 08 अप्रैल 2020 को होनी थी लेकिन कोविड-19 के कारण हुए लॉक डाउन से यह परीक्षा 08 अप्रैल को नहीं कराई जा सकी. इसके बाद 22 अप्रैल 2020 को दोबारा यह परीक्षा कराने का आदेश जारी किया गया लेकिन कोविड-19 महामारी के चलते 22 अप्रैल को भी यह परीक्षा नहीं कराई जा सकी।

20 जुलाई को जारी को जारी किए जाएंगे एडमिट कार्ड

29 जुलाई को होने वाली यूपी बीएड-2020 की प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 20 जुलाई को जारी किया जायेगा। परीक्षार्थी अपना एडमिट कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड करेंगे। यदि किसी परीक्षार्थी के एडमिट कार्ड पर कोई त्रुटि है तो उसमें सुधार भी ऑनलाइन किया जा सकेगा।

60 जिलों में आयोजित की जाएगी परीक्षा शामिल होंगे साढ़े चार लाख परीक्षार्थी

बी एड प्रवेश परीक्षा परीक्षा के लिए इस बार साढ़े चार लाख से अधिक आवेदन आये हैं। अभ्यर्थियों की भारी संख्या और कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय अब यह परीक्षा प्रदेश के 60 जिलों में आयोजित कराएगा। पहले यह परीक्षा प्रदेश के केवल 16 जिलों में आयोजित होनी थी।

TOI Page 2

LU to begin centralised admissions: Now, fill one form for 170 colleges

System To Be Optional For Colleges

Times News Network

Lucknow: For the first time in its history, Lucknow University will conduct centralised admissions for associated colleges. The process will be like Delhi University's with the only difference being that LU's system is optional for the colleges.

LU authorities on Thursday sent a proposal of the centralised system to all 170 associated colleges. Those accepting the proposal will have to pay Rs 50,000 (plus GST) each for admissions in regular undergraduate and postgraduate courses and Rs 1 lakh (plus GST) for self-finance courses. Colleges not opting for the system can hold their admission process separately.

The major benefit of the centralised system would be that candidates will have to fill only one admission form instead of spending a huge amount on purchase of forms for various colleges. Further, LU will declare a merit list and conduct counselling for admissions. Candidates will get all the information regarding the admission process and results at one place rather than running around to different colleges. Another benefit would be that it is expected to put a check anomalies in admissions.

The move, if successful, will help cash-strapped LU generate extra revenue.

Colleges have been asked to reply to the proposal by July 5 following which LU will decide on further action.

However, a major hurdle in the process is that LU has taken the decision late. Many colleges gave already started their admission process by releasing forms. Some might not opt for the centralised process because they will have to refund the application form fees to the candidates.

LU vice-chancellor Prof AK Rai though said that even colleges which have released their forms can opt for the new system.

The procedure would be simple. All candidates applying for admission to LU will also be given the option of admissions to colleges during the counselling process, depending on the availability of seats in a particular institution. It will be on first come, first served basis, he added.

He said that centralised information about all the candidates will be maintained, thus reducing paperwork drastically.

SINGLE-WINDOW ADMISSION PLAN

➤ For the first time in its history, LU plans to hold centralised admissions for its associated colleges

➤ There are 170 colleges associated with LU with 1.6 lakh UG and PG seats (regular and self-finance)

➤ The system will be like DU's with the difference that it will be optional for the colleges to join in

MISSION ADMISSION
toimissionadmission.com

➤ Candidates will not have to apply at various colleges and will get all information at one place

➤ Colleges are to respond by July 5 on joining the process

4 new centres to teach science of happiness at LU

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Four new institutes will be added to the ONGC multidisciplinary research centre of Lucknow University to help students excel in diverse areas. Besides giving wings to the ideas of budding engineers and churning out food toxicology experts, the institutes will teach students ways to stay happy.

Being set up in LU's centenary year, the four centres of excellence — Happy Thinking Lab, Institute of Hydrocarbon, Institute of Food Processing, and Technology and Kalam Centre for Innovation — will have hi-end computers with advanced software for quality research.

LU executive council has given its nod to the centres and they will be run with the help of grants from the department of science and technology and corporate social responsibility.

"Happy Thinking Lab is being set up to help students fight all negativities in life and learn the "real meaning of happiness". They will also be taught to apply happiness mantras in their future professional life," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai. The lab will be open for students of MA psychology (50 seats) and those who opt for psychology under choice-based credit system.

Kalam Centre of Innovation, under engineering faculty, will give wings to students' innovation through experimentation and development of technology and gadgets. It will also be open for students who wish to go for startups.

The MSc food processing and food technology course with 30 seats, currently being run by the chemistry department, will be converted into a full fledged institute with its own lab and research paraphernalia. Earlier students had to go to other scientific institutes for research. "General public can also visit it for getting tests done to check the quality of food or adulteration at a nominal charge," said VC.

Courses on mining and hydrocarbons, being run by the geology department, will be converted into an institute which will prepare students for career in the oil industry.